सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी समापन एवं धन्वन्तरि दिवस

दिनांक 10-11-2023 दिन शुक्रवार धन्वन्तरि दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डा ए के सिंह कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपने व्याख्यान में कहा कि हर एक चीज की एक एसओपी होती है हमारे आयुर्वेद की एसओपी क्या है ? दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार,पथ्य और अपथ्य ।जब हम अनियमित आहार विहार होता है तो हमारे शरीर में टाक्सिन उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद में उस टाक्सिन का शोधन और शमन करते हैं तब चिकित्सा करते हैं तो वो अधिक कारगर होता है। हमारी विशेषज्ञता वैद्य होने में है। हम अपने को वैद्य कहना आरंभ करें डाक्टर तो पीएचडी कर के भी लिख सकते हैं लेकिन वैद्य लिखने के लिए बीएएमएस करना पड़ेगा।आज जो हम आयुर्वेदिक औषधि बना रहे हैं उसकी वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा।हम आयुर्वेद क्षेत्र के लोग लकीर के फकीर ने बनें। आयुर्वेदिक आचार्यों को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक प्रयास करना होगा। माननीय कुलपति जी ने घोषणा किया की आगामी महीने में आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेद कालेज में नाड़ी परीक्षण और मर्म चिकित्सा पद्धति पर कार्यशाला आयोजित होगा।

विशिष्ट अतिथि राम मनोहर पी. अनुसंधान निदेशक ACARA, अमृता स्कूल आफ आयुर्वेद, कोल्लम केरल ने अपने व्याख्यान में कहा कि आयुर्वेद कहता है लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु अर्थात सभी सुखी हों ये शब्द ही इसे वैश्विकता प्रदान करता है। स्वस्थ आयु प्रदान करने वाला वेद ही आयुर्वेद है।कोरोना काल में आयुर्वेद ने अपने को पुनः सिद्ध किया है वो आज भी पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पद्धति है। धन्वंतरि वो है जो धनुष के द्वारा शत्रुओं का नाश किया अर्थात छः दोषों का नाश किया जो हमारे मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं।हमारा शरीर ही धनुष है। यदि इसको आहार विहार के द्वारा सही रखें तो ये स्वयं ही अपने शत्रुओं का नाश करता है। आयुर्वेद जीवन और मृत्यु का विज्ञान है यह सूर्योदय और सूर्यास्त के तरह जीवन और मृत्यु को देखता है। मृत्यु जीवन का आरंभ है ऐसा आयुर्वेद कहता है। हम नियमित आहार विहार के द्वारा स्वस्थ जीवन प्राप्त कर सकते हैं।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेई ने कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन नहीं आरंभ है। निश्चित यह सेमिनार आयुर्वेद को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों और छात्रों को अपने शोध प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किए छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत और परिचय भाषण देते हुए आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एन. एस. ने सभी को धन्वन्तरि दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम का का संचालन बीएएमएस छात्र आशीष चौधरी और शाम्भवी शुक्ला ने किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डा. प्रदीप राव, चिकित्सा अधिक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डा. राजेश बहल और भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालयों से अपनी शोध प्रस्तुतिकरण करने आए हुए आयुर्वेद के विद्यार्थी एवं शिक्षक सहित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ri Ayurveda Fest
(शरद पूर्णिमा) से धन्वन्तरि जयंती (कार्तिक, कृष्ण
28 Oct. 2023 to 10 Nov. 2023
minar on Sroto-Dynamics
Body, Mind and Spirit

G20
MILLETS
2023

G20
INTERNATIONAL YEAR OF
MILLETS
2023
- 2023
Oct. 2023 to 10 Nov
Organised by

IS SROTODUSHTI SAME AS SROTOVAIGUNYA
• Whereas dushti in the srotas, is severe form of sroto vaigunya and will certainly cause a disease.
• If kha vaigunya and sroto dushti are identical, i.e. if it is believed that there is abnormality in both the cases to certain extent in varying degrees, then dushti in srotas should give rise to appearance of symptoms and signs i.e. sroto dushti janya lakshanas or pradoshaja vikara.
Arunima Ps
11:33 AM | Sukh Aayu: Guest lecture

G20
MILLETS
Dhanvantari Ayurveda Festival - 20
महर्षि वाल्मीकि जयंती (शरद पूर्णिमा) से धन्वन्तरि जयंती (कार्तिक, कृष्ण त्रयोदशी) तक
28 Oct. 2023 to 10 Nov. 2023
National seminar on Sroto-Dynamics